उत्तर-पुस्तिका

Me 'n' Mine

हिंदी

(PULLOUT WORKSHEETS)

कक्षा VIII के लिए

डॉ० भूपेंद्र सिंह
एम०ए०, एम०एड्० , पीएच०डी०
हिंदी विभागाध्यक्ष, अरावली इंटरनेशनल स्कूल
फरीदाबाद

न्यू सरस्वती हाउस (इंडिया) प्रा०लि०
नई दिल्ली-110002 (इंडिया)

खंड-क (अपठित बोध)

अभ्यास कार्यपत्रिका–1

1. 1. गद्यांश के अनुसार महाभारत काल एवं आज के समय में समाज, नैतिक मूल्यों, विचारधारा तथा शिक्षा में बदलाव आया है।
2. द्रोण ने द्रुपद से अंतिम प्रतिशोध उनका वध करके लिया।
3. कौरवों एवं पांडवों से द्रोण ने गुरुदक्षिणा में द्रुपद को बंदी बनाकर लाने को कहा।
4. द्रोण ने एकलव्य को अपना शिष्य स्वीकार नहीं किया क्योंकि वह निषाद पुत्र था।
5. द्रुपद ने द्रोण से वादा किया था कि वे अपना आधा राज्य द्रोण को देंगे।

2. 1. शिशुओं की तुलना कमल से की गई है।
2. सोते बच्चे को देखकर माँ की आँखों में तृप्ति का भाव दिखाई पड़ता है।
3. 'वह प्रेम है'–कथन को बार-बार प्रेम का महत्व दर्शाने हेतु दोहराया गया है।
4. संतान के प्रति माता-पिता के प्रेम को बताने वाला एक शब्द है–वात्सल्य
5. 'अरविंद-से शिशुवृंद कैसे सो रहे' मे उपमा अलंकार है।

अभ्यास कार्यपत्रिका–2

1. 1. कमिश्नर रेण्ड की हत्या 22 जून 1897 में हुई।
2. तीसरा युवक जो कमिश्नर की हत्या में शामिल था, वह सरकारी गवाह बन गया व सारा भेद खुल गया।
3. जज ने देवव्रत से दूसरा सवाल पूछा कि तुमने सरकारी गवाह की हत्या क्यों की।
4. अंत में तीनों भाइयों को एक साथ फाँसी दे दी गई।
5. 'ढेर हो जाना' मुहावरे का अर्थ है गिर जाना, मृत्यु हो जाना, लेट जाना, थक जाना।

2. 1. कवि को सुख पर नाज़ था।
2. कवि दुख को सागर समझ बैठा है।
3. कवि ने सुख की अभिलाषा में निरादर पाया।
4. सुख और दुख दोनों क्षणभंगुर हैं।
5. 'जब-जब' पुनरुक्त प्रकार का शब्द-युग्म है।

अभ्यास कार्यपत्रिका–3

1. 1. नारी कोमलता, पवित्रता, मधुरता आदि दिव्य गुणों की प्रतिमूर्ति है।
2. जब आधुनिक नारी गुलामी के बंधनों से मुक्त होकर आत्मविश्वास से आगे बढ़ी, तब उसने स्वतंत्रता की साँस ली।
3. 'नारी के अभाव में सृष्टि की कल्पना भी नहीं की जा सकती।' ऐसा इसलिए कहा गया है क्योंकि नारी सृष्टि निर्माता की अद्वितीय रचना है और नारी ही जीवन का आधार है।
4. उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक 'नारी का आधुनिक रूप' है।
5. प्रतिकार का उपसर्ग 'प्रति' तथा मधुरता का प्रत्यय 'ता' है।

2. 1. बूँद बादल से निकली।
2. बूँद द्वारा कहा गया 'आह' शब्द पछतावे के भाव को व्यक्त करता है।
3. बूँद को बादल से निकलने पर अपने अस्तित्व की चिंता होने लगी।
4. अंत मे बूँद सीप के मुँह में जाकर गिर पड़ी।
5. 'ज्यों निकलकर बादलों की गोद से'–उत्प्रेक्षा अलंकार।

अभ्यास कार्यपत्रिका–4

1. 1. हनुमान के माता-पिता का नाम अंजना एवं केसरी था।
2. सभी जानवर वन में हनुमान की प्रतीक्षा करते थे ताकि वे उनके साथ मिलकर नई-नई शरारतें कर सकें।
3. केसरी का निवास स्थान हिमगिरि पर्वत है।
4. हनुमान को पवनपुत्र कहा जाता है क्योंकि उनका जन्म वायुदेव की कृपा से हुआ था।
5. 'सूर्योदय' शब्द का सही संधि-विच्छेद है: सूर्य + उदय

2. 1. विपत्ति आने पर वीर पुरूष उससे विचलित नहीं होते हैं।
2. विपत्ति के समय शूरवीर धैर्य रखते है, वे विचलित नहीं होते।
3. 'काँटों में राह बनाना' का आशय है मुसीबत में आगे बढ़ना।
4. कवि ने मनुष्य को दृढ़तापूर्वक आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा दी है।
5. 'पत्थर/पर्वत' शब्दों के विशेषण 'पथरीला/ पर्वतीय'।

अभ्यास कार्यपत्रिका–5

1. 1. प्रदूषण वायुमंडल या वातावरण का दूषित होना है, इसके चार प्रकार होते हैं।
2. जल प्रदूषण के कारण डेंगू, पीलिया एवं मलेरिया आदि बीमारियाँ हो सकती हैं।
3. औद्योगीकरण का अर्थ है नए-नए कल कारखानों की स्थापना होना/करना।
4. उपज बढ़ाने के लिए लोग रासायनिक खादों को प्रयोग करते हैं।
5. प्रदूषण को रोकने के लिए वृक्ष लगाने चाहिए, कारखानों को शहरों से बाहर स्थापित करना चाहिए, रासायनिक तत्वों का कम-से-कम प्रयोग करना चाहिए व सरकार को मज़बूत नीतियों का निर्माण कर प्रदूषण को रोकने के लिए ज़रूरी कदम उठाने चाहिए।

2. 1. लेखिका इन पंक्तियों में बचपन को बुला रही है।
2. बचपन के समय को सरल व निर्मल कहा गया है क्योंकि बचपन में हम दुनिया के स्वार्थ व झूठ से अनजान होते हैं।
3. कवयित्री अपनी माँ को मिट्टी खिलाना चाहती है।
4. 'व्यथा' शब्द तत्सम शब्द में आता है।
5. 'नंदन-वन सी' में उपमा अलंकार का प्रयोग हुआ है।

अभ्यास कार्यपत्रिका–6

1. 1. व्यापारी का पुत्र दिल का अच्छा और बुद्धिमान था।
2. व्यापारी अपना सामान बेचने के लिए दूर के बाज़ार में जा रहे थे।
3. चौथे दिन कारवाँ के मुखिया को ज़मीन के अंदर पानी दिखाई दिया।
4. कारवाँ के मुखिया ने अपने साथियों को समझाया कि लालच बुरी बला है।
5. सर्प के बाहर निकलते ही उसकी विषैली फुफकार से खुदाई करने वाले मर गए।

2. 1. नारद जी विष्णु के पास गए और उन्होनें मृत्युलोक में पुण्यश्लोक भक्त के बारे में पूछा।
2. विष्णु जी ने नारद को बताया की मृत्युलोक में प्राणों से प्रिय एक सज्जन किसान है।
3. किसान ने भगवान के नाम का स्मरण तीन बार किया।
4. किसान ने दूसरी बार भगवान का नाम शाम को लिया।
5. 'सज्जन' शब्द का सही संधि-विच्छेद है: सत् + जन।

अभ्यास कार्यपत्रिका–7

1. 1. सच्चा मित्र दुख एवं निराशा के समय में हमारे उत्साह को बढ़ाता है।
2. 'सच्चे मित्र से ही जीवन में सौंदर्य आता है।' ऐसा इसलिए कहा गया है क्योंकि वह जीवन के बेरंग खाके में सुंदर रंगों को भर देता है।
3. राम ने सुग्रीव की सहायता बालि का वध करके की।

4. मनुष्य को सामाजिक प्राणी कहा गया है क्योंकि समाज के अभाव में मनुष्य अपना जीवन-निर्वाह नहीं कर सकता।
5. 'निराशा' शब्द का सही संधि-विच्छेद है : निः + आशा

2. 1. घने बरगद के पेड़ के नीचे बड़ी-बड़ी और ऊँची बातें होती थी।
2. सफ़र का अकेलापन साथ-साथ चलने से दूर हो सकता है।
3. गाँव में अब गुरु, दोस्त व परिचित नज़र नहीं आता।
4. नए सिरे से जोड़ने और साथ मिलकर चलने से गाँव का सन्नाटा टूट सकता है।
5. इन पंक्तियों में प्रेम एवं सहयोग की भावना के विकास का संदेश दिया गया है।

अभ्यास कार्यपत्रिका–8

1. 1. सुकरात की पत्नी क्रोधित थी क्योंकि सुकरात घर का कुछ आवश्यक काम करना भूल गए थे।
2. जब सुकरात ने अपनी पत्नी को कमरे से बाहर जाने का इशारा किया, तो उनकी पत्नी ने पानी से भरा घड़ा सुकरात पर उड़ेल दिया।
3. युवकों को सुकरात की बात सुनकर प्रेरणा मिली कि हमें अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना चाहिए।
4. सिर पर पानी पड़ने पर सुकरात मुसकराने लगे।
5. 'आपे से बाहर होना' मुहावरे का अर्थ है बहुत क्रोधित होना।

2. 1. निराशाएँ मकड़ी के जालों-सी छा जाती हैं।
2. जीव (मनुष्य) मचलता है क्योंकि होनी को कोई टाल नहीं सकता
3. उत्सव को घर-घर में बिखराने के लिए मौसम में बदलाव होता है।
4. सुख-सुहाग जीवन के अनिष्ट को टालता है।
5. उपर्युक्त काव्यांश में सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य तक पहुँचने का संदेश दिया गया है।

अभ्यास कार्यपत्रिका–9

1. 1. जीवन में सफलता के लिए शरीर एवं मन का स्वस्थ होना आवश्यक है।
2. सहयोग से काम करना, संघर्ष करना, धैर्य रखना, जीतने पर अभिमान न करना, हारने पर साहस न छोड़ना, विशेष लक्ष्य की प्राप्ति के लिए नियमपूर्वक कार्य करना आदि गुण खेलों द्वारा ही सीखे जा सकते हैं।
3. अच्छा खिलाड़ी उसे कहा जाएगा जो पुनः प्रयत्न कर हारी बाज़ी को भी जितवा दे।
4. सफलता न मिलने पर क्रोध नहीं करना चाहिए, साहस नहीं छोड़ना चाहिए बल्कि पुनः प्रयत्न करना चाहिए ताकि हारी हुई बाज़ी जीती जा सके।
5. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक–'खेलों का महत्व'।

2. 1. वसंत ऋतु को धन्य कहा गया है क्योंकि इस ऋतु में चारों तरफ़ हरियाली व रंग-बिरंगे फूल दिखाई देते हैं।
2. कवि ने वसंत ऋतु के द्वारा चारों तरफ़ फैली हरियाली व रंग-बिरंगे फूलों के प्रति अपना आभार प्रकट किया।
3. क्यारी के कोने में एक नन्हा-सा फूल दुबका था। उसने कवि को बताया कि ये जो तुम चारों तरफ़ रंगीनी देख रहे हो, ये हमारी देन है, न कि वसंत ऋतु की।
4. 'लकीर-सी' में उपमा अलंकार है।
5. 'अनायास' शब्द का अर्थ है अचानक से। जैसे–
   - मुझे अनायास ही बीते दिनों की याद आ गई।
   - रवि सभा में अनायास ही बोल पड़ा।

अभ्यास कार्यपत्रिका–10

1. 1. कृषक को विष्णु के समान बताया गया है क्योंकि वह अन्न उगाकर संसार का पालन करता है।
2. गद्यांश में तपस्या भरा त्याग, अभिमान रहित उदारता, परिश्रम–ये सभी गुण कृषक के बताए गए हैं।

3. कृषकों की शिक्षा के लिए विद्यालय, स्वास्थ्य के लिए चिकित्सालय और शहरों से संपर्क रखने के लिए अच्छी सड़कों का निर्माण करना होगा। कृषि की उन्नति के लिए अनेक प्रकार की खाद, नवीन यंत्र आदि प्रदान करने होंगे।
4. उदार–उदारता, स्वस्थ–स्वास्थ्य
5. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक–भारतीय कृषक।

2. 1. शक्ति का निवास स्थान वीर पुरुष के हृदय में है।
2. कवि ने 'रघुपति' तथा 'समुद्र' का उदाहरण देकर समझाना चाहा है कि सदैव संघर्ष करने से सफलता मिलती है।
3. 'क्षमा रूपी आभूषण' पराक्रमी व्यक्ति को शोभा देता है।
4. 'शर' शब्द के दो पर्यायवाची–तीर, बाण।
5. 'रिपु' एवं 'सिंधु' शब्द का अर्थ है दुश्मन एवं समुद्र।

खंड-ख (व्यावहारिक व्याकरण)

भाषा, लिपि, बोली तथा व्याकरण

अभ्यास कार्यपत्रिका–11

1. 1. 22 2. ब्राह्मी लिपि 3. भारोपीय, द्रविड़ 4. देवनागरी लिपि
5. उत्तर प्रदेश, हरियाणा 6. भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराने वाले शास्त्र को व्याकरण कहते हैं।
7. 14 सितंबर, 1948 8. यह लिपि दाईं से बाईं ओर लिखी जाती है।
9. व्याकरण के चार विभाग हैं–(1) वर्ण विचार, (2) शब्द विचार, (3) वाक्य विचार, (4) पद विचार 10. अंग्रेजी

2. 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓) 5. (✗)
6. (✓) 7. (✓) 8. (✓) 9. (✗) 10. (✗)

3. जिन ध्वनियों चिह्नों के माध्यम से हम अपने मन के भावों व विचारों को बोलकर या लिखकर अभिव्यक्त करते हैं, वह भाषा कहलाती है। जैसे–हिंदी, अंग्रेज़ी, संस्कृत आदि।

4. भाषा को लिखने के लिए जिन ध्वनि चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उसे लिपि कहते है। हिंदी भाषा की लिपि देवनागरी है।

5.

मौखिक भाषा	लिखित भाषा
जब हम बोलकर अपने विचार दूसरों तक पहुँचाते हैं। वह भाषा का मौखिक रूप है।	जब हम लिखकर अपने विचार दूसरों तक पहुँचाते हैं, वह भाषा का लिखित रूप है।
जैसे– भाषण, फोन पर बातचीत करना	जैसे– समाचार-पत्र, चिट्ठी

अभ्यास कार्यपत्रिका–12

1. 1. भाषा 2. लिपि 3. बाईं से दाईं ओर 4. फ़ारसी 5. मौखिक, लिखित

2. 1. हिंदी 2. व्याकरण 3. बोली 4. मातृभाषा

3. 1. गुजरात (ख) गुजराती 2. पंजाब (क) पंजाबी 3. असम (घ) असमिया
4. केरल (ग) मलयालम 5. तमिलनाडु (च) तमिल 6. पं० बंगाल (ङ) बंगाली

4. अपने मौखिक विचारों व भावों को दूर स्थिनों पर अपने मित्रों व रिश्तेदारों तक पहुँचाने के लिए लिपि की आवश्यकता पड़ी। इसी के कारण मानव (हम) को अपने पूर्वजों का ज्ञान प्राप्त हो सका।

5. भाषा हमारे जीवन का मूल आधार है। इसी से हम अपने भावो और विचारों को प्रकट करते हैं तथा दूसरों के भावों व विचारों को समझते है। यह सोचने विचारने तथा विभिन्न विषयों के अध्ययन को संभव बनाती है।

6. भाषा का लिखित रूप भाषा को सुरक्षित रखता है। वह इसे मानक रूप प्रदान करता है। ज्ञान को भावी पीढ़ी के लिए सुरक्षित रखने तथा मौखिक भाषा को प्रामाणिक बनाने में लिखित भाषा का बहुत महत्व है।

7. जो भाषा सारे देश की सांस्कृतिक, राष्ट्रीय और भावात्मक स्तर पर एकता के सूत्र में बाँधकर रख सकने की क्षमता रखती है, उसे राष्ट्र भाषा कहते है। जैसे–हिंदी में राष्ट्रभाषा बनने की क्षमता है।

वर्ण-विचार

अभ्यास कार्यपत्रिका–13

1. 1. वर्ण उस मुल ध्वनि को कहते है जिसके खंड न हो सकें। जैसे– अ, इ, क्, ख् आदि।
भेद– वर्ण के दो भेद हैं–स्वर और व्यंजन।
2. जिन वर्णों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से होता है, उन्हें स्वर कहते हैं।
3. जिन वर्णों का उच्चारण स्वरों की सहायता से होता है, उन्हें व्यंजन कहते हैं।
4. श्, ष्, स्, ह् 5. सघोष 6. तीन 7. ग्यारह 8. पच्चीस

2. 1. शीतल 2. अनुभव 3. महाराज 4. चंचल

3. 1. च् + अ + ह् + अ + च् + अ + ह् + आ + न् + आ 2. ह् + इ + म् + आ + ल् + अ + य् + अ
3. ह् + अ + थ् + अ् + अ + क् + अ + ड़ + ई 4. च् + ए + त् + अ + न् + अ

4. 1. संगम 2. बंजर 3. हँसी 4. गंगा 5. आँगन
6. कहाँ 7. ऊँट 8. संबंध

5. 1. अमरूद 2. रुपया 3. ज़रूर 4. आशीर्वाद 5. श्रीमान 6. प्रतीज्ञा
7. ऋषि 8. अंतर्देशीय

अभ्यास कार्यपत्रिका–14

1. 1. छ्, झ् 2. क्, ग् 3. ज् + ञ 4. सात 5. स्वर

2. 1. चक्का 2. कच्चा 3. चट्टान 4. अन्न 5. उत्तर 6. सम्मान

3. 1. कभी 2. खाकी 3. अभी 4. उल्लू

4. 1. शब्दों में प्रयुक्त वर्णों को अलग-अलग लिखना, वर्ण-विच्छेद कहलाता है।
2. व्यंजन के साथ जो स्वर का चिह्न लगता है, उसे मात्रा कहते हैं।
3. जब दो या दो से अधिक व्यंजनों का परस्पर संयोग होता है, उसे संयुक्त व्यंजन कहते हैं।
जैसे–त्र–त् + र् + अ, ज्ञ–ज् + ञ् + अ
4. जब किसी व्यंजन का संयोग उसी व्यंजन के साथ होता है, उसे द्वित्व व्यंजन कहते हैं।
जैसे–न्न = अन्न, ज्ज = सज्जन
5. जिन व्यंजनों के उच्चारण में कम समय तथा कम वायु की आवश्यकता होती है। प्रत्येक वर्ग का पहला, तीसरा, पाँचवाँ वर्ण अल्पप्राण है।
6. जिन व्यंजनों के उच्चारण में समय तथा वायु अधिक मात्रा में व्यय होती है। प्रत्येक वर्ग का दूसरा, चौथा वर्ण महाप्राण है।
7. जिस वर्ण के उच्चारण में स्वर-तंत्रिका में कंपन नहीं होता। प्रत्येक वर्ग पहला, दूसरा, उष्म व्यंजन अघोष है।
8. जिस वर्ण मे उच्चारण में हवा स्वयं-तंत्रियों से टकराकर बाहर निकलती है। प्रत्येक वर्ग का तीसरा, चौथा, पाँचवाँ, अंत:स्थ आदि सभी स्वर इसमें आते हैं।
9. अनुस्वार तथा विसर्ग को अयोगवाह कहते हैं।
10.

अनुस्वार	अनुनासिक
इनके उच्चारण में हवा नाक से निकलती है।	इनके उच्चारण में हवा नाक और मुख दोनों से बाहर निकलती है।
जैसे–अंत, पांडव, संबंध आदि	जैसे–ऊँट, आँगन, आँख आदि।

शब्द और उनका वर्गीकरण

अभ्यास कार्यपत्रिका–15

1. 1. वर्णों का सार्थक समूह, जो एक निश्चित अर्थ को प्रकट करे, उसे शब्द कहते हैं।
2. चार भेद, (तत्सम, तद्भव, दशज(देशी), विदेशज (विदेशी)) 3. तीन भेद (रूढ़, यौगिक, योगरूढ़)
4. दो भेद (विकारी और अविकारी) 5. दो भेद (सार्थक और निरर्थक)
6.

रूढ़ शब्द	यौगिक शब्द
जो शब्द लंबे समय से किसी अर्थ के लिए जाने जाते हैं किंतु उनके सार्थक टुकड़े नहीं हो सकते, रूढ़ कहलाते हैं। जैसे–पानी, हवा, पगड़ी	दो या दो से अधिक शब्दों या शब्दांशों के योग से बने शब्दों को यौगिक शब्द कहते हैं। जैसे– विद्या + आलय = विद्यालय फूल + दान = फूलदान

2. 1. यौगिक 2. योगरूढ़ 3. रूढ़ 4. रूढ़ 5. यौगिक
6. योगरूढ़ 7. योगरूढ़ 8. यौगिक 9. रूढ़ 10. रूढ़

3. 1. सूरज 2. कारज 3. मुँह 4. बहन 5. पत्ता
6. काठ 7. कोयल 8. सपना

4. 1. अश्रु 2. घोटक 3. कूप 4. मस्तक 5. मक्षिका
6. चैत्र 7. उलूक 8. वानर 9. मयूर 10. दुग्ध

अभ्यास कार्यपत्रिका–16

1. 1.

तत्सम शब्द	तद्भव शब्द
संस्कृत भाषा के वे शब्द जो बिना किसी परिवर्तन के हिंदी में प्रयुक्त होते हैं। जैसे– हस्त, दंत, पत्र, गृह	वे शब्द जो संस्कृत भाषा से हिंदी में कुछ परिवर्तन के साथ प्रयोग होते हैं। जैसे– हस्त–हाथ, दंत–दाँत, पत्र–पत्ता, गृह–घर

2.

देशज शब्द	विदेशज शब्द
वे शब्द जो क्षेत्रीय बोलियों से हिंदी में प्रयोग किए जाने लगे हैं। जैसे– खिचड़ी, डिब्बा, पगड़ी, लोटा आदि।	जो शब्द विदेशी भाषाओं से हिंदी में आए हैं। जैसे–अंग्रेजी–ड्राइवर, मोटर,स्कूल पुर्तगाली–तौलिया, बालटी, संतरा

3.

सार्थक शब्द	निरर्थक शब्द
ऐसे शब्द जिनका कोई-न-कोई अर्थ अवश्य होता है। जैसे–घर, महिला, दिल्ली आदि।	ऐसे शब्द जिनका कोई अर्थ नही होता है। जैसे–पानी-वानी, पढ़ना-वढ़ना, ड़ीगा, हिलाम आदि।

4.

विकारी शब्द	अविकारी शब्द
जिन शब्दों का रूप विभक्ति, वचन, काल, पुरुष, लिंग आदि के कारण बदलता रहता है। जैसे–लड़का, लड़की, लड़कियाँ (वचन/लिंग) मैं, मेरा (कारक)	जिन शब्दों में विभक्ति, वचन, काल, पुरुष लिंग आदि के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता। जैसे–लड़का बाहर बैठा है। (बाहर) लड़की बाहर बैठी है।

5.

यौगिक शब्द	योगरूढ़ शब्द
दो या दो से अधिक शब्दों या शब्दाशों के योग से बने शब्दों को यौगिक शब्द कहते है। जैसे–विद्या + अर्थी = विद्यार्थी फूल + दान = फूलदान	जो शब्द दो या दो से अधिक शब्दों य शब्दांशों के योग से तो बने हैं, परंतु वे अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर किसी विशेष अर्थ के लिए प्रयुक्त होते है। जैसे– जलज का अर्थ मछली, सीप, मगरमच्छ है परंतु जलज शब्द कमल के लिए ही प्रयोग में लाया जाता है, किसी अन्य के लिए नहीं।

2. 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗
5. ✓ 6. ✗

3.

रूढ़	यौगिक	योगरूढ़
पुस्तक	परोपकार	पंकज
अमर	सुपुत्र	पीतांबर
हाथी	पुस्तकालय	दशानन

4. 1. रूढ़ 2. योगरूढ़ 3. रूढ़ 4. यौगिक 5. रूढ़

शब्द निर्माण या रचना (उपसर्ग तथा प्रत्यय)

अभ्यास कार्यपत्रिका–17

1. 1. आकलन 2. समलोक 3. परक्रम 4. उपनायक 5. भरक्षण

2. 1. प्रतिवर्ष, प्रतिदिन, प्रत्येक 2. अधिनायक, अधिपति, अधिकार 3. अनादर, अनावश्यक, अनेक
4. हमसफ़र, हमराही, हमउम्र 5. निदान, निवास, निवारण

3. 1. चेला 2. लक्कड़ 3. खड़िया 4. सत्व 5. मेहमान

4. 1. चमकीला, रंगीला, सजीला 2. स्वाभाविक, धार्मिक, ऐतिहासिक 3. सजावट, लिखावट, मिलावट
4. प्यास, मिठास, खटास 5. बेटी, बोली, हँसी

5. 1. नि + डर 2. अन + पढ़ 3. सम् + कल्प 4. दुर् + जन 5. बे + ईमान

6. 1. प्र + गति 2. अध + पका 3. कु + मार्ग 4. प्र + दर्शक 5. सत् + भाव

शब्द निर्माण : संधि तथा समास

अभ्यास कार्यपत्रिका–18

1. 1. भोजन + आलय 2. निः + फल 3. परि+आवरण 4. तत् + लीन 5. तपः + बल
6. सम् + कल्प 7. सूर्य + उदय 8. निः + रस 9. राका + ईश 10. रेखा+अंकित

2. 1. दिक् + गज 2. अतः + एव 3. उत् + हार 4. अति + अधिक 5. नमः + ते
6. पितृ + आदेश 7. ना + इक 8. सत् + जन 9. पर + उपकार 10. मनः + रथ

3. 1. नयन 2. सच्चरित्र 3. शिक्षार्थी 4. रामायण 5. उपर्युक्त
6. मनोताप 7. स्वच्छ 8. प्रत्येक 9. स्वाधीन 10. संबोधन

4. 1. वर्णों के परस्पर मेल से होने वाले विकार या परिर्वतन को संधि कहते हैं।
2. तीन, (स्वर संधि, व्यंजन संधि, विसर्ग संधि)
3. दो स्वरों के मेल से होने वाले परिवर्तन को स्वर संधि कहते हैं।
4. व्यंजन का व्यंजन या स्वर से मेल होने पर जो विकार होता है, उसे व्यंजन संधि कहते हैं।
5. विसर्ग का स्वर अथवा व्यंजन के मेल से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे विसर्ग संधि कहते हैं।

शब्द निर्माण : संधि तथा समास

अभ्यास कार्यपत्रिका–19

1. 1. पीतांबर 2. कामचोर 3. माता-पिता 4. गंगाजल 5. सप्ताह

2. 1. सौ वर्षों का समूह 2. महान है जो जन 3. दान में वीर 4. छोटा और बड़ा 5. घोड़े पर सवार
6. तीन देवों का समूह 7. चक्र है जिसके हाथों में 8. भय से भीत 9. जितना संभव हो 10. कनक के समान लता

3. 1. अंशुमाली 2. खट्टा-मीठा 3. जन्मांध 4. यथाशक्ति 5. सद्धर्म

4. 1. घुड़दौड़ 2. कर्मवीर 3. पंचतंत्र 4. गणेश 5. पुरुषोत्तम
6. यथासंभव

5. 1. युद्ध का क्षेत्र–तत्पुरुष समास 2. राधा और कृष्ण–द्वंद्व समास
3. सुंदर हैं लोचन जिसके (स्त्री विशेष)–बहुव्रीहि समास 4. दिन-दिन–अव्ययीभाव समास
5. समुद्र पर्यंत–अव्ययीभाव समास 6. तीन कोणों का समूह–द्विगु समास
7. महान है जो आत्मा–कर्मधारय समास

शब्द भंडार : एकार्थक शब्द

अभ्यास कार्यपत्रिका–20

1. 1. हत्या 2. श्रद्धा 3. अवस्था 4. किराया 5. शस्त्र
6. पुरस्कार 7. पत्नी 8. न्याय 9. अनुमति 10. प्रणाम

2. 1. रूप-आकृति में समानता / मेल रखने वाला
2. ज़रूरत से ज़्यादा / ज़रूरत के अनुसार
3. बराबर वालों को देना / बड़ो को देना
4. जनसमूह / पशुओं आदि का समूह
5. मानसिक कष्ट / शारीरिक कष्ट

3. 1. अधिक (ज़्यादा)–राधा के पास सीता से अधिक खिलौने हैं।
पर्याप्त (आवश्यकता के अनुसार (काफी)– हमारे पास पर्याप्त खाना है।
2. मृत्यु (आम आदमी की मृत्यु)– हमारे रिश्तेदार की कर कार-दुर्घटना में मृत्यु हो गई।
निधन (किसी विशेष आदमी की मृत्यु)–भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के निधन को आज भी कोई भुला नहीं पाया।
3. आधि (मानसिक रोग)–चिंता एक आधि है।
व्याधि (शारीरिक रोग)–बुखार एक व्याधि है।
4. खोज (अज्ञात वस्तु का पता लगाना)–मैडम क्यूरी ने रेडियम की खोज की।
आविष्कार (किसी नई वस्तु का निर्माण करना)– डॉ. खुराना ने कृत्रिम जींस का आविष्कार किया।
5. युद्ध (सेनाओं के बीच)–1971 में भारत-पाक युद्ध हुआ।
लड़ाई (साधारण लोगों के बीच)–कल मेरे पड़ोसीयों की आपस में खूब लड़ाई हुई।

शब्द भंडार : अनेकार्थी शब्द

अभ्यास कार्यपत्रिका–21

1. 1. चिट्ठी, पत्ता, अखबार
2. मूर्ख, निर्जीव, वृक्ष का मूल
3. आकाश, अक्षर, निराकार
4. प्रतिष्ठा, जल, चमक
5. बादल, घटा, हथौड़ा
6. समय, मृत्यु, यमराज
7. कारण, धन, प्रयोजन
8. वर्ण, शिव, ब्रह्मा
9. तरीका, ब्रह्मा, हिस्सा
10. विष्णु, सिंह, सर्प

2. 1. तीर 2. वस्त्र 3. गुरु 4. कुल 5. कर

3. 1. उसने हथौड़ा उठाकर लोहे को ठोकना शुरू कर दिया।
2. गंगा के किनारे पर बहुत से ब्राह्मण पूजा कर रहे थे।
3. स्वर्ण मंदिर के दरवाज़े बंद थे।
4. सभी छात्र हाथ जोड़कर गुरु को प्रणाम करने लगे।
5. आज आकाश में बादल छाए हुए हैं।

4. स्वयं करें।

शब्द भंडार : पर्यायवाची शब्द

अभ्यास कार्यपत्रिका–22

1. 1. विटप 2. प्रभाकर 3. विलोचन 4. मित 5. शकुन

2. 1. यामा, विभावरी, यामिनी
2. प्रगति, उत्थान, उत्कर्ष
3. भारती, शारदा, वीणापाणि
4. वाटिका, उपवन, बाग
5. अचल, गिरि, नग
6. वसुधा, धरा, भूमि
7. कमला, पद्मा, रमा
8. सूर्य, रवि, दिनकर
9. वायु, हवा, मारुत
10. माँ, जनकी, मैया

3.

शब्द		पर्यायवाची	शब्द		पर्यायवाची
जंगल	–	वन, कानन, विपित	कमल	–	जलज, नीरज, राजीव
जल	–	नीर, पानी, वारि	चाँद	–	शशि, इंदु, राकेश
मनुष्य	–	मनुज, मानव, नर			

4. 1. नारी के लिए <u>महिला/अबला</u> शब्द का प्रयोग भी होता है।
2. साँप विषैला होने के कारण <u>विषधर</u> कहलाता है।
3. चंद्रमा का दूसरा नाम <u>चाँद/चंद्र/राकेश</u> है।
4. माता को प्यार <u>मैया/अंबा</u> भी कहते है।
5. जल में उत्पन्न होने के कारण कमल को <u>पंकज</u> कहा जाता है।

शब्द भंडार : विलोम शब्द

अभ्यास कार्यपत्रिका–23

1. 1. दुराचारी 2. निष्पक्ष 3. अनुपयुक्त 4. कृतघ्न 5. वैकल्पिक
6. शिष्य 7. अनुपस्थित 8. व्यय 9. समर्थन 10. अनावृष्टि

2. 1. रक्षक 2. सर्वज्ञ 3. पाताल 4. साक्षर 5. दुर्लभ
3. 1. निरर्थक 2. निकृष्ट 3. न्यून 4. भोगी 5. पराधीन
6. नास्तिक 7. परलोक 8. स्वाभाविक 9. अनुत्तीर्ण 10. अल्पव्यय
4. 1. सृष्टि प्रलय
2. अनुज अग्रज
3. सज्जन दुर्जन
4. यश अपयश
5. सौभाग्य दुर्भाग्य

शब्द भंडार : श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द

अभ्यास कार्यपत्रिका–24

1. 1. अवधी 2. आदी 3. कर्म 4. ओर 5. परिणाम
6. उपयुक्त 7. नियति 8. सूत 9. शोक 10. सामान
11. पढ़ने 12. उपेक्षा 13. अभिराम 14. पका 15. चीर
16. उपस्थिति 17. आरती 18. कृति 19. दीन 20. मात्र
2. 1. समर्थ, शक्ति 2. उद्देश्य, लाख 3. बुढ़ापा, थोड़ा-सा 4. वंश, किनारा 5. तरह, किला
3. 1. संख्या, काला 2. इमारत, संसार 3. हालत, तरफ़ 4. अध्यक्ष 5. शासन, रहस्य
छात्र वाक्य स्वयं बनाएँ।

शब्द भंडार : अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

अभ्यास कार्यपत्रिका–25

1. 1. जतिन ईर्ष्यालु है, इसलिए उसका कोई साथ नहीं देता।
2. ये बातें स्मरणीय हैं।
3. देवेश वैष्णव है।
4. तुमने ऐसा अपराध किया है जो अक्षम्य है।
5. राम जिज्ञासु है, इसलिए वह पढ़ाई में अव्वल रहता है।
6. सज्जन मनुष्य समदर्शी होते हैं।
7. संदीप स्पष्टवादी व्यक्ति है।
8. बलवंत सिंह अपराजेय है।
9. वहाँ मुझे कोई पथ-प्रदर्शक नहीं मिला।
10. सेठ चंदनमल सदैव धर्माचरण करते हैं।

2. 1. विश्वसनीय 2. अकर्मण्य 3. अलौकिक 4. अनुकरणीय 5. अतिथि
6. पाश्चात्य 7. नभचर 8. श्रोता 9. सहपाठी 10. अजातशत्रु
3. 1. (घ) विशेषज्ञ 2. (ङ) भूतकाल 3. (क) अजातशत्रु 4. (ग) क्षमाशील 5. (ख) जितेंद्रिय
4. 1. **जो आँखों के सामने हो** – प्रत्यक्ष
2. **जो व्याकरण जानता है** – वैयाकरण
3. **जिसके हृदय में ममता न हो** – निर्मम
4. **जो सब कुछ जानता हो** – सर्वज्ञ
5. **जो भूमि उपजाऊ न हो** – बंजर

संज्ञा (लिंग, वचन तथा कारक)

अभ्यास कार्यपत्रिका–26

1. 1. व्यक्तिवाचक संज्ञा 2. द्रव्यवाचक संज्ञा 3. भाववाचक 4. जातिवाचक संज्ञा 5. व्यक्तिवाचक संज्ञा
6. व्यक्तिवाचक संज्ञा 7. व्यक्तिवाचक संज्ञा 8. भाववाचक संज्ञा 9. जातिवाचक संज्ञा 10. भाववाचक संज्ञा
2. 1. पांडित्य 2. खटास 3. क्षत्रियत्व 4. बोल 5. विद्वत्ता
6. डकैती 7. मुस्कान 8. गिरावट 9. धिक्कार 10. धैर्य
3. 1. स्वत्व 2. विस्तार 3. निकटता 4. लालिमा 5. रंगत
6. सरसराहट 7. गान 8. तप 9. यौवन 10. देख-भाल
4. 1. बच्चा/मित्र–जातिवाचक 2. स्वास्थ्य–भाववाचक 3. राम/श्याम–व्यक्तिवाचक 4. मित्र, मित्रता–जातिवाचक/भाववाचक
5. राधा/चतुराई/काम–व्यक्तिवाचक/भाववाचक/जातिवाचक

अभ्यास कार्यपत्रिका–27

1. 1. तपस्विनी 2. अभिनेत्री 3. बीवियाँ 4. राजा 5. विद्वान
6. कबूतरी 7. मामी 8. विधुर 9. साध्वी 10. नौकरानी

2. 1. दात्री 2. अजा 3. दार्शीका 4. पंडाइन 5. नागिन
6. क्षत्राणी 7. संन्यासिनी 8. वधू 9. वीरांगना 10. ग्वालिन

3. 1. कई **विदुषियाँ** सम्मेलन में आईं।
2. कवि सम्मेलन में एक **कवयित्री** को आमंत्रित किया गया।
3. उसकी **पत्नी** बड़ी गुणवती है।
4. मेरी **सास** अध्यापिका हैं।
5. संगीता का **देवर** बुद्धिमान है।
6. लड़कों ने **वृद्धा** की सेवा की।
7. सबने **गायिका** की खूब तारीफ़ की।
8. रीना का **नौकर** अच्छा काम करता है।
9. **धोबी** कपड़े अच्छे धोता है।
10. **मालिन** फूल लेकर आई है।

4. 1. तपस्विनी 2. नौकर 3. मोरनी 4. विरांगना 5. वर
6. बैल 7. हथिनी 8. भील 9. लेखिका 10. बेटी

अभ्यास कार्यपत्रिका–28

1. 1. बत्तियाँ 2. कपड़े 3. वधुएँ 4. गरीबलोग 5. चिड़ियाँ
6. स्त्रियाँ 7. अध्यापकवृंद 8. लेखिकाएँ 9. युवावर्ग 10. दवाइयाँ

2. 1. पहेलियाँ 2. कविगण 3. प्रजाजन 4. नारी 5. धेनु
6. दासियाँ 7. छलनियाँ 8. कलमें 9. मित्रगण 10. चुहियाँ

3. 1. बहुएँ 2. कविताएँ 3. बच्चे 4. मछलियाँ 5. किताबें
6. शाखाएँ 7. लोटा 8. शिक्षकगण 9. घड़ी 10. टोपियाँ

4. **सदा एकवचन**–मक्खन, पानी, प्रजा, आकाश, भाग्य, भीड़, वायु, शहद, वर्षा, छाया, लोहा
सदा बहुवचन–हस्ताक्षर, आँसू, होश, बाल, दर्शन, समाचार, प्राण, दाम, लोग

अभ्यास कार्यपत्रिका–29

1. 1. कर्ता कारक 2. अपादान कारक 3. कर्म कारक 4. संप्रदान कारक 5. करण कारक
6. संबोधन कारक 7. करण कारक 8. अपादान कारक 9. अधिकरण कारक 10. संबंध कारक

2. 1. पागल **को** रस्सी से बाँधकर ले गए।
2. कोयल डाली **पर** बैठी है।
3. शरीर **में** शक्ति होनी चाहिए।
4. उसने अपने पाँव **पर** कुल्हाड़ी मार ली।
5. मेरी पढ़ाई **का** बहुत नुकसान हो रहा है।
6. सुरेश **का** एक बेटा है।
7. पिता जी ताँगे **से** आए।
8. छात्र परीक्षा **के लिए** पढ़ाई कर रहे हैं।
9. माता जी दूध **से** दही बनाती हैं।
10. वह छत **से** गिरा।

3. 1. के, में, की, में 2. के, ने, के, का 3. के, पर, को 4. का, पर, से, में 5. ने, से, के, की

4. 1. राम का भाई लक्ष्मण है। 2. पक्षी उड़ता है। 3. घर में पूजा है। 4. कलम से सुलेख लिखो।
5. मोहन विद्यालय से घर आ गया।

सर्वनाम

अभ्यास कार्यपत्रिका–30

1. 1. मैं 2. मैं, आप 3. मुझे 4. मैंने, उनसे 5. वह
6. मुझे 7. मैं, आप 8. कौन 9. क्या 10. यह, जो
11. जिसकी, उसकी 12. स्वयं 13. वह 14. जिस, वही 15. किसने
16. वह

2. 1. क्या आप पत्र लिख चुके हैं? 2. मैं सब कुछ भूल चुका हूँ। 3. क्या तुम दूध लाए हो?
4. तुम आज मेरे साथ फ़िल्म देखने चलो। 5. यहाँ कई कमरे हैं, तुम कौन-सा पसंद करोगे?
6. वे परीक्षा दे चुके हैं। 7. जैसा करोगे वैसा भरोगे। 8. मैं वहाँ गया था।
9. जिस आदमी ने शेर का शिकार किया था, वह आया है। 10. किस लड़के का घर उसके घर के पास है?

3. 1. जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें सर्वनाम कहते हैं। सर्वनाम के छह भेद हैं।
2. बोलने वाले, सुनने वाले तथा जिसके विषय में बात होती है, उनके लिए प्रयोग किए जाने वाले सर्वनाम पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
उदाहरण–मैं अपना काम खुद करता हूँ।

3. जो सर्वनाम शब्द किसी निश्चित व्यक्ति, वस्तु अथवा घटना की ओर संकेत करे, उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। **उदाहरण**–ये फल मीठे होंगे।
4. जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति अथवा वस्तु का बोध न हो, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। **उदाहरण**–दूध में कुछ गिर गया।
5. जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाता है, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं। **उदाहरण**–गिलास किसने तोड़ा?
6. जिन सर्वनाम शब्दों का संबंध दूसरे सर्वनाम शब्दों से प्रकट होता है, उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं। **उदाहरण**–जो जीता, वही सिकंदर।
7. जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग कर्ता के साथ अपनेपन का ज्ञान कराने के लिए किया जाए, उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं। **उदाहरण**–हमें अपना काम खुद करना चाहिए।

अभ्यास कार्यपत्रिका–31

1. 1. **आप** हमारे साथ चलिए। 2. **कोई** दरवाज़ा खटखटा रहा है। 3. आज खाना **कौन** बनाएगा।
4. **वह** दिल्ली जा रहा है। 5. **मैं** रायगढ़ की राजकुमारी हूँ। 6. चाय में **कुछ** पड़ गया है।
7. वह **स्वयं** चला जाएगा। 8. **जैसी** करनी, **वैसी** भरनी। 9. आज हम **क्या** खाएँगे?
10. हम घूमने जा रहे हैं।

2. 1. पुरुषवाचक 2. संबंधवाचक 3. प्रश्नवाचक 4. उत्तम पुरुषवाचक 5. अन्य पुरुषवाचक
6. अनिश्चयवाचक 7. निश्चयवाचक 8. मध्यम पुरुषवाचक 9. निजवाचक 10. निजवाचक

3. 1. कुछ 2. सो 3. मुझे 4. किसका 5. स्वयं
6. कोई 7. कौन 8. स्वयं/खुद/अपने आप 9. यह/वह 10. तुम

4. 1. रमा बोली वह बाज़ार जाएगी।
2. राकेश अपनी बहन से अपना पेन लेने गया।
3. सोहन ने मोहन का बताया कि उसको प्रधानाचार्य बुला रहे हैं।
4. गाय को पानी पिला दो, उसको प्यास लगी होगी।
5. पुस्तक को उठा लो नहीं तो वह गीली हो जाएगी।

विशेषण

अभ्यास कार्यपत्रिका–32

1. 1. साप्ताहिक 2. चित्रित 3. पुष्पित 4. पारिवारिक 5. भौगोलिक
6. दैनिक 7. शिक्षित 8. प्राकृतिक 9. सांसारिक 10. घृणित

2. 1. निश्चित संख्यावाचक 2. अनिश्चित संख्यावाचक 3. गुणवाचक 4. अनिश्चित परिमाणवाचक 5. गुणवाचक
6. गुणवाचक 7. निश्चित परिमाणवाचक 8. निश्चित संख्यावाचक 9. सार्वनामिक 10. सार्वनामिक

3. 1. बीस 2. ऊँचा 3. ठंडा 4. चार लीटर 5. थोड़ी
6. सभी 7. चार किलो 8. कुछ 9. दुष्ट 10. रूपवती

4. छात्र स्वयं करें।

अभ्यास कार्यपत्रिका–33

1. 1. यह (सर्वनाम) 2. कोई (सार्वनामिक विशेषण) 3. वह (सार्वनामिक विशेषण)
4. कोई (सर्वनाम) 5. उसका (सर्वनाम)

2. 1. भारतीय 2. अनुभवी 3. रंगीला 4. जैसा 5. संपादकीय
6. दानी 7. पूजनीय 8. पिछला 9. चमकीला 10. आदरणीय
11. लुटेरा 12. औद्योगिक 13. शहरी 14. कीर्तिमान 15. स्थानीय
16. भीतरी 17. मूल्यवान 18. पतित 19. दयालु 20. शापित

3. 1. सफेद 2. अनुभवी 3. भुलक्कड़ 4. पिछला 5. कटाई
6. सम्मानित 7. समझदार 8. नमकीन 9. भारतीय 10. लिखित

क्रिया, काल और वाच्य

अभ्यास कार्यपत्रिका–34

1. 1. अकर्मक क्रिया 2. सकर्मक क्रिया 3. सकर्मक क्रिया 4. अकर्मक क्रिया 5. द्विकर्मक क्रिया
6. सकर्मक क्रिया 7. अकर्मक क्रिया 8. द्विकर्मक क्रिया 9. सकर्मक क्रिया 10. द्विकर्मक क्रिया

2. 1. वह अपना रोना रो रही है। 2. हरीश ने मुझे पाठ पढ़ाया 3. पिता जी गाना गाकर हँसे।
4. राजीव ने पत्र लिखा। 5. पायल शतरंज खेलती है।

3. 1. प्रेरणार्थक क्रिया 2. संयुक्त क्रिया 3. पूर्वकालिक क्रिया 4. सहायक क्रिया 5. नामधातु क्रिया

4. 1. प्रेरणार्थक क्रिया 2. सहायक क्रिया 3. पूर्वकालिक क्रिया 4. नामधातु क्रिया 5. संयुक्त क्रिया

5. 1. अध्यापक मोहन से पाठ पढ़वाता है। 2. माँ नौकर से बच्चे को सुलवाती है।
3. अभिषेक मित्र से पतंग उड़वाता है। 4. नीता बहन से पत्र लिखवाती है।
5. आया कपड़े धोती है।

अभ्यास कार्यपत्रिका–35

1. 1. अध्यापक ने पाठ पढ़ाया। 2. नेता ने भाषण दिया। 3. प्रत्युष गहरी नींद सोता है।
4. अलीशा पत्र लिखती है। 5. सब मेला देखने गए।

2.

प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
1. (क) सुनाना	(ग) सुनवाना	5. (ख) पढ़ाना	(घ) पढ़वाना
2. (ग) लिखाना	(घ) लिखवाना	6. (ग) पिलाना	(क) पिलवाना
3. (क) बुलाना	(ग) बुलवाना	7. (क) सिखाना	(ग) सिखवाना
4. (क) सुलाना	(घ) सुलवाना	8. (ख) धुलाना	(ग) धुलवाना

3. 1. झुठलाना 2. खरीदना 3. अपनाना 4. टिमटिमाना 5. नरमाना
5. बतियाना 7. शर्माना 8. चकराना 9. हथियाना 10. हिनहिनाना

4. 1. देखकर 2. नहाकर 3. खकर 4. सोकर

अभ्यास कार्यपत्रिका–36

1. 1. क्रिया के होने या करने के समय को काल कहते हैं। 2. काल के तीन भेद हैं।
3. भूतकाल 4. वर्तमान काल 5. भविष्यत काल

2. 1. सामान्य भूतकाल 2. सामान्य भूतकाल 3. आसन्न भूतकाल 4. आसन्न भूतकाल 5. पूर्ण भूतकाल
6. अपूर्ण भूतकाल 7. संभाव्य भविष्यत काल 8. संदिग्ध वर्तमान काल 9. सामान्य भविष्यत काल 10. पूर्ण भूतकाल

3. 1. सो रहा था, भूतकाल 2. किया था, भूतकाल 3. लिखा, भूतकाल 4. जाए, भविष्यत काल
5. खेलने जाएँगे, भविष्यत काल

4. 1. लिख रहा है, वर्तमान काल 2. हँसता है, वर्तमान काल 3. खेल रहा है, वर्तमान काल
4. आ रही थी, भूतकाल 5. खाता है, भविष्यत काल 6. जाने वाले थे, भूतकाल
7. पढ़ते होंगे, वर्तमान काल (संदिग्ध) 8. हो जाता, भूतकाल (हेतुहेतुमद्) 9. रहा होगा, वर्तमान काल (संदिग्ध)
10. सवार थे, भूतकाल

अभ्यास कार्यपत्रिका–37

1. 1. वाच्य 2. तीन 3. कर्तृवाच्य 4. कर्मवाच्य 5. भाववाच्य

2. 1. कर्तृवाच्य 2. कर्मवाच्य 3. भाववाच्य 4. कर्तृवाच्य 5. भाववाच्य

3. 1. किसान गेहूँ उगाते हैं। 2. कमला ने फूल तोड़े। 3. पक्षी रात को नहीं सोते। 4. मेरी सास नहीं लड़ती
5. स्त्रियाँ भोजन बनाती हैं।

4. 1. बच्चों के द्वारा फूल तोड़े गए। 2. कहारों द्वारा डोली उठाई जाती है।
3. हमारे द्वारा यह कष्ट नहीं सहा जाता है। 4. माता के द्वारा बच्चों को प्यार दिया गया।
5. शाहजहाँ के द्वारा ताजमहल बनवाया गया।

5. 1. बच्चे से खेला जा रहा था। 2. मीना से सोचा जाता है। 3. मेरे से उसे नहीं भेजा जा सका।
4. सीता से जागा गया। 5. ज़िद में आए चातक पुत्र से उड़ा गया।

अव्यय (अविकारी शब्द)

अभ्यास कार्यपत्रिका–38

1. 1. कालवाचक 2. रीतिवाचक 3. परिमाणवाचक 4. रीतिवाचक 5. कालवाचक
6. स्थानवाचक 7. परिमाणवाचक 8. रीतिवाचक 9. स्थानवाचक 10. परिमाणवाचक

2. 1. और 2. क्योंकि 3. इसलिए 4. या 5. परंतु
6. तो

3. 1. तक 2. मात्र 3. भी 4. तो

4. 1. अरे 2. वाह 3. छि:छि: 4. शाबाश 5. बाप रे
6. ओह 7. उफ़ 8. सावधान 9. हे भगवान 10. हाय राम

5. 1. के विषय 2. के बाहर 3. की जगह 4. के लिए 5. की अपेक्षा
6. के लिए 7. के साथ 8. के द्वारा 9. की वजह से 10. के सामने

अभ्यास कार्यपत्रिका–39

1. 1. जिन शब्दों में लिंग, वचन, काल, पुरुष आदि के कारण कोई परिवर्तन नहीं आता, उन्हें अव्यय (अविकारी) शब्द कहते है। जैसे–और, ऊपर, बल्कि, धीरे, अचानक आदि।

2. क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को क्रिया विशेषण कहते हैं। जैसे–प्रतिदिन, लगातार, निकट आदि।

3. जो अव्यय शब्द संज्ञा या सर्वनाम का संबंध वाक्य के अन्य शब्दों से बताते हैं, उन्हें संबंधबोधक अव्यय कहते हैं। जैसे स्कूल के सामने नीम का पेड़ खड़ा है।

4. जो अव्यय शब्द, दो शब्दों, वाक्यों और वाक्यांशों को जोड़ने का कार्य करते है, वे समुच्चय बोधक अव्यय कहलाते हैं। जैसे–आज रविवार है इसलिए स्कूल बंद है।

5. जो अव्यय शब्द हर्ष, शोक, घृणा, भय, ईर्ष्या, विस्मय आदि भावों को बोध कराते हैं, उन्हें विस्मयबोधक अव्यय कहते है। जैसे–वाह! कितना सुंदर फूल है।

जो अव्यय शब्द किसी के बाद लगकर उसके अर्थ पर विशेष बल देते हैं निपात कहलाते हैं। जैसे–रात भर बारिश होती रही।

2. 1. और 2. इसलिए 3. परंतु 4. वरना 5. क्योंकि
6. मानो 7. ताकि 8. यद्यपि-तथापि

3. 1. ईश्वर **सर्वत्र** व्यापक है।
2. तुम्हें इस काम **के बदले** सौ रुपये मिलेंगे।
3. मैंने उसे बहुत समझाया **मगर** वह नहीं माना।
4. हमारे घर **के सामने** एक पेड़ है।
5. आसमान में **एकाएक** बादल छा गए और वर्षा होने लगी।
6. शर्मा जी **के साथ** उनकी बेटी भी आई थी।
7. मेरे पास **केवल** बीस रुपये हैं।
8. आज राम **भी** मेरा साथ आया है।
9. **वाह-वाह!** आज तो खूब सज-धज कर आए हो।
10. वह ज़्यादा देर नही रुका **क्योंकि** उसे घर जाना था।
11. **सावधान!** आगे नाला है।
12. तुम **भली-भाँति** जानते हो कि वह कितना जिद्दी है।

पद-परिचय

अभ्यास कार्यपत्रिका–40

1. भारत के – व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिग, संबंध कारक; संबंधी शब्द **विचारकों।**
विचारकों ने – जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक; **कहा था** क्रिया का कर्ता।
लोग – जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक; **हों** क्रिया का कर्ता।

2. मैंने – पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, एकवचन, स्त्रीलिंग या पुल्लिग, कर्ता कारक; **देखा** क्रिया का कर्ता।
उसे – पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, एकवचन, पुल्लिग या स्त्रीलिंग, कर्म कारक; **पकड़ लिया** क्रिया का कर्म।

3. यह – सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग; विशेष्य–**घड़ी।**
छोटे – गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिग, मूलावस्था; विशेष्य–**भाई।**

4. है – सकर्मक, अपूर्ण सामान्य क्रिया, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य, स्त्रीलिंग, एकवचन, अन्य पुरुष, निश्चयार्थ, कर्ता–**यह**, पूरक–**घड़ी** (कर्म की भाँति प्रयुक्त)।
दे सकता – सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिग, कर्तृवाच्य, वर्तमान काल, उत्तम पुरुष, निश्चयार्थ, कर्ता–**मैं**, कर्म–**किसी को**।

5. (क) ऐसा – रीतिबोधक क्रियाविशेषण, **सोच रहे थे** क्रिया की विशेषता बताता है।
(ख) बहुत – परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, **समझाया** क्रिया की विशेषता बताता है।
6. के आस-पास – स्थानवाचक संबंधबोधक, **घर** संज्ञा का संबंध दूसरे पदों से जोड़ता है।
7. और – समानाधिकरण समुच्चयबोधक, **अमरसिंह ने दाढ़ी लगाई** तथा **गेरुए वस्त्र पहनकर साधु का वेश बनाया था**–इन दो वाक्यों को मिलाता है।
8. (क) अरे – विस्मयादिबोधक, आश्चर्य का भाव प्रकट करता है।
(ख) छी-छी – विस्मयादिबोधक, घृणा का भाव प्रकट करता है।

पदबंध

अभ्यास कार्यपत्रिका–41

1. 1. वाक्य का वह अंश जिसके एक से अधिक पद मिलकर एक इकाई के रूप में व्याकरणीय कार्य करते है, उसे पदबंध कहते है। जैसे–**मेरी खोई हुई पुस्तक** घर में मिल गई।
2. पदबंध पाँच प्रकार के होते हैं–(संज्ञा पदबंध/सर्वनाम पदबंध/विशेषण पदबंध/क्रिया पदबंध/क्रियाविशेषण पदबंध।
3. जब एक से अधिक पद मिलकर एक संज्ञा का कार्य करते हैं, उसे संज्ञा पदबंध कहते हैं। जैसे–**बच्चों को माता-पिता** का कहा मानना चाहिए।
4. जब कोई किसी संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताए, उसे विशेषण पदबंध कहते हैं। जैसे–**रोज चार बजे उठने वाली** लड़की (रमा) आज सात बजे उठी।
5. क्रियाविशेषण का कार्य करने वाले पदबंध क्रियाविशेषण पदबंध कहलाते हैं। जैसे–वे दोनों हिल-हिलकर गाना गा रहे हैं।

2. 1. संज्ञा पदबंध 2. सर्वनाम पदबंध 3. विशेषण पदबंध 4. क्रिया पदबंध 5. अव्यय पदबंध
6. क्रियाविशेषण पदबंध 7. संज्ञा पदबंध 8. विशेषण पदबंध 9. क्रिया पदबंध 10. अव्यय पदबंध
11. संज्ञा पदबंध 12. सर्वनाम पदबंध 13. विशेषण पदबंध 14. क्रिया पदबंध 15. क्रिया विशेषण

वाक्य

अभ्यास कार्यपत्रिका–42

1. 1. सार्थक शब्दों का व्यवस्थित समूह, जो अपने अर्थ को पूर्णत: प्रकट करता है, वाक्य कहलाता है।
2. दो (उद्देश्य/विधेय)
3. उद्देश्य–वाक्य में जिसके विषय में कुछ कहा जाए। जैसे–**सीता** ने खाना बनाया।
विधेय–वाक्य में उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाता है। जैसे–सीता ने **खाना बनाया**।
4. रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद है–(सरल/संयुक्त/मिश्र)
5. अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद है–(विधानवाचक, प्रश्नवाचक, निषेधवाचक, आज्ञावाचक, इच्छावाचक, संकेतवाचक, संदेहवाचक, विस्मयादिवाचक)

2. 1. संयुक्त वाक्य 2. मिश्रित वाक्य 3. सरल वाक्य 4. मिश्रित वाक्य 5. संयुक्त वाक्य
6. मिश्रित वाक्य 7. सरल वाक्य 8. संयुक्त वाक्य 9. सरल वाक्य 10. मिश्रित वाक्य

3. 1. गणित की अध्यापिका बीमारी के कारण विद्यालय नहीं आई
2. जो व्यक्ति परोपकारी हैं, वे सदा सफलता प्राप्त करते हैं।
3. रोगी दवा पीते ही ठीक हो गया।
4. मैंने उसे समझाया और वह पढ़ने बैठ गया।
5. उस आदमी को बुलाओ जिसने लाल पगड़ी पहनी है।
6. पिता जी ने ज़ोर दिया और मुझे वहाँ जाना पड़ा।
7. बुधवार की छुट्टी होने के कारण बाज़ार बंद रहेगा।
8. जब रविवार आएगा तब हम पढ़ेंगे।
9. जहाँ पहले पार्क था अब वहाँ मंदिर है।
10. मैं तुम्हारे उन मित्रों को जानता हूँ जो सज्जन व उन्नत हैं।

अभ्यास कार्यपत्रिका–43

1. 1. नीता बाज़ार जाकर फल नहीं लाती है।
2. वाह! नीता बाज़ार जाकर फल लाई।
3. शायद, नीता बाज़ार जाकर फल लाए।
4. नीता बाज़ार जाकर फल लाए।
5. यदि नीता बाज़ार जाती तो फल लाती।

2. 1. पत्र का उत्तर शीघ्र मत दें। 2. यह घड़ी सुंदर है। 3. शायद, तुम्हारा कल्याण हो।

4. शांतनु पढ़ो। 5. अरे! श्याम बैठकर पढ़ रहा है। 6. क्या मुदित बाज़ार जाता है?
7. यदि वह सच बोलता तो उसकी यह हालत न होती। 8. शायद, माता जी आज लौट आएँ।
9. काश, ज्योति विद्यालय जाए। 10. इंदिरा गांधी का नाम सबने सुना होगा।

3. 1. (घ)✗ 2. (ग) ✗ 3. (ख) ✗ 4. (क) ✗ 5. (घ) ✗

विराम-चिह्न

अभ्यास कार्यपत्रिका–44

1. 1. :– 2. ० 3. ; 4. ? 5. । 6. : 7. -

2. 1. पूर्णविराम 2. प्रश्नसूचक 3. निर्देशक 4. विवरण चिह्न 5. अल्पविराम 6. लाघव चिह्न 7. योजक

3. 1. शब्द युग्मों में
2. किसी शब्द का अर्थ स्पष्ट करने के लिए
3. उपनाम, कविता, लेख या पुस्तक का शीर्षक लिखना हो तब
4. ज़्यादा विराम लेने हेतु
5. उत्तर या उदाहरण अगली पंक्ति में देने के लिए
6. विस्मय प्रकट करने हेतु

4. 1. ० 2. – 3. ‘ ’, “ ” 4. ( )

5. 1. हमारे जीवन की तीन मूलभूत आवश्यकताएँ हैं–रोटी, कपड़ा और मकान।
2. खड्गसिंह जाते-जाते बोला–“बाबाजी, मैं यह घोड़ा आपके पास न रहने दूँगा।”
3. अपाहिज ने हाथ जोड़कर कहा–“प्रभु, मैं दुखिया हूँ। मुझ पर दया करो।”
4. तुम इस विद्यालय में कब से पढ़ रहे हो?
5. सिद्धार्थ (गौतम बुद्ध) की पत्नी का नाम यशोधरा था।
6. डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ‘मिसाइल मैन’ के नाम से प्रसिद्ध हैं।

6. योजक और निर्देशक-चिह्न–कोई भी निर्देश अथवा सूचना देने वाले वाक्य के बाद निर्देशक-चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे–निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखें–1. भारतीय पर्व, 2. मेरा प्रिय खेल।
दो शब्दों में परस्पर संबंध स्पष्ट करने के लिए तथा उन्हें जोड़कर लिखने के लिए योजक-चिह्न का प्रयोग किया जाता है। इसे ‘विभाजक-चिह्न’ भी कहते हैं; जैसे–जीवन में सुख-दुख तो चलता ही रहता है।

मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

अभ्यास कार्यपत्रिका–45

1. 1. आत्मनिर्भर होना 2. बुद्धि भ्रष्ट होना 3. एकमात्र सहारा 4. जीवन की वास्तविकता का सामना करना
5. अच्छे बुरे का अंतर न करना 6. भेद खुल जाना 7. थोड़ा-सा अंतर होना
8. गरीबी में और नुकसान होना 9. बहुत क्रोधित होना 10. सिद्धांतहीन होना

2. 1. चुनौती देकर बात कहना 2. ईर्ष्या करना 3. गहरी नींद सोना
4. ज़रा-सी बात को बहुत बढ़ा-चढ़ा कर लेना 5. बहुत भारी कष्ट आ जाना

3. 1. मुँह में राम बगल में छुरी 2. पराधीन सपनेहुँ सुख नाहीं 3. हाथ कंगन को आरसी क्या
4. डूबते को तिनके का सहारा 5. दूर के ढोल सुहावने
6. काठ की हाँडी बार-बार नहीं चढ़ती 7. अपनी-अपनी ढपली अपना-अपना राग
8. एक मछली सारे तालाब को गंदा कर देती है 9. एक म्यान में दो तलवारें नहीं रह सकतीं
10. दान के बैल के दाँत नहीं देखे जाते।

4. 1. नष्ट होने पर भी अहंकार न जाना 2. प्रतिभाशाली व्यक्ति का पता बचपन में ही चल जाता है
3. ज़बरदस्ती गले पड़ना 4. दुष्ट व्यक्ति बातों से नहीं पिटाई करने पर मानते हैं
5. बिलकुल सीधेपन से काम नहीं बनता

अभ्यास कार्यपत्रिका–46

1. 1. हाथ मलते 2. पीठ नहीं दिखाता 3. बहती गंगा में हाथ धो लें 4. पत्थर की लकीर के

5. नानी याद आ 6. घी के दिये जलाए 7. आसमान सिर पर उठा 8. आँख का तारा
9. कानों-कान खबर नहीं 10. आँखें दिखाईं

2. 1. चारों ओर से संकट से घिरा 2. इच्छित वस्तु की प्राप्ति होना 3. आवश्यकता से कम देना
4. परिस्थिति सदा एक-सी नहीं रहना 5. शान के लिए औकात से बढ़कर खर्च करना
6. काम बिगड़ने पर सहायता व्यर्थ होती है 7. बुरे की संगति में बुराई ही मिलती है
8. कृतघ्न होना/उपकार को न मानना 9. कुछ भी निश्चित न होना 10. जिसके आश्रय में रहना उसी से बैर लेना

3. 1. उलटा चोर कोतवाल को डाँटे 2. ईश्वर की माया कहीं धूप कहीं छाया
3. अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता 3. दूध का जला छाछ को भी फूँक-फूँककर पीता है
5. जो गरजते हैं वो बरसते नहीं 6. साँच को आँच नहीं
7. अधजल गगरी छलकत जाए 8. दूध का दूध पानी का पानी
9. एक पंथ दो काज 10. गेहूँ के साथ घुन भी पिस जाता है

अशुद्धि शोधन

अभ्यास कार्यपत्रिका–47

1. 1. उपर्युक्त, अध्ययन 2. पैतृक 3. दयालु 4. परीक्षा 5. गई
6. प्रणाम 7. वापस 8. स्थायी 9. प्रदर्शनी 10. सम्मेलन

2. 1. त्योहार 2. बीमारी 3. दीपावली 4. गुरु 5. आशीर्वाद
6. सीधा-सादा 7. नई 8. पूजनीय 9. पुण्य 10. अद्‌वितीय
11. श्रेष्ठ 12. वैकल्पिक 13. गृहस्थी 14. कहानियाँ

3. मुकदमा विट्‌ठल कामयाबी हिंदी लंबे
सक्रिय अभिनेत्रियों दर्शकों औरतों लोकप्रिय

4. 1. शून्य 2. पारिवारिक 3. घनिष्ठ
4. पिंजरा 5. कृपालु 6. लाभान्वित

अशुद्धि शोधन

अभ्यास कार्यपत्रिका–48

1. 1. लड़कियाँ और लड़के जा रहे हैं। 2. आप हमारे पूज्य हैं। 3. मुझे घर जाना है।
4. मुझे मात्र सौ रुपये चाहिए। 5. मुझे फ्रिज का ठंडा पानी चाहिए।

2. 1. आप सपरिवार विवाह में आमंत्रित हैं। 2. वहाँ लगभग 20 आदमी हैं।
3. मुझे तीन दिन का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।
4. वह आज अवश्य आएगा। 5. मुझे आज वहाँ जाना है।
6. आज मैंने टेलीविज़न पर रंगारंग **कार्यक्रम** देखा। 7. हमें **सदैव** सत्य बोलना **चाहिए।**
8. पढ़ने से हमारा भविष्य **उज्ज्वल** होता है। 9. **पारिवारिक** संबंधों को कभी खराब नहीं करना चाहिए।
10. उसकी **पत्नी** का नाम मीना है। 11. मुझे मंदिर से **प्रसाद** मिला।
12. मेरे पड़ोस में एक **बुढ़िया** रहती है। 13. मैंने अपनी अध्यापिका को **प्रणाम** किया।
14. यहाँ **उदार** और **परिश्रमी** लोग रहते हैं। 15. मैंने उसे एक कविता **समर्पित** की।

'र' और 'ऋ' का प्रयोग

अभ्यास कार्यपत्रिका–49

1. 1. कर्म 2. गृह 3. ड्रम 4. दृढ़ 5. कृषि
6. प्रदर्शनी 7. घृणा 8. आशीर्वाद 9. ऋषि 10. प्रयोग

2. 1. पंडित ने संदीप को बताया कि आजकल उसके ग्रह उसके अनुकूल नहीं हैं।
2. सफ़ाई कर्मचारी तीन दिन की हड़ताल पर हैं। 3. निम्नलिखित वाक्यों को क्रम से लिखिए।

4. वृद्ध व्यक्ति की कल मृत्यु हो गई।
5. प्रगति मैदान में प्रदर्शनी लगी हुई है।
6. संगीता का रंग-रूप बहुत सुंदर है।
7. हमें अपने राष्ट्र से प्रेम करना चाहिए।
8. शिवजी को त्रिलोकीनाथ भी कहते हैं।
9. श्रीमान जी, आप अपना नाम बताइए।
10. हमने कल आगरा जाने का कार्यक्रम बनाया है।

3. 1. हर्ष 2. शृंगार 3. ट्रक 4. घृणा 5. प्राचीन
6. तृतीय 7. ब्रह्मा 8. ड्रामा 9. पृथक 10. वर्ष

अलंकार

अभ्यास कार्यपत्रिका–50

1. 1. रूपक अलंकार 2. उपमा अलंकार 3. श्लेष अलंकार 4. यमक अलंकार 5. अनुप्रास अलंकार
6. उपमा

2. 1. अनुप्रास अलंकार 2. यमक अलंकार 3. श्लेष अलंकार 4. उपमा अलंकार 5. रूपक अलंकार
6. अनुप्रास अलंकार 7. यमक अलंकार 8. श्लेष अलंकार 9. उपमा अलंकार 10. रूपक अलंकार
11. उत्प्रेक्षा अलंकार 12. उपमा अलंकार 13. रूपक अलंकार

3. उपमा अलंकार एक सादृश्य मूलक अलंकार है। जहाँ अत्यंत सादृश्य के कारण सर्वथा भिन्न होते हुए भी एक वस्तु या प्राणी की तुलना दूसरी प्रसिद्ध वस्तु या प्राणी से की जाती है; जैसे–हरिपद कोमल कमल-से। रूपक अलंकार में गुण की अत्यंत समानता के कारण उपमेय में ही उपमान का अभेद आरोप कर दिया जाता है; जैसे–मैया मैं तो चंद-खिलौना लै हूँ।

4. श्लेष अलंकार में जिस काव्य-पंक्ति में शब्द एक ही बार प्रयुक्त होते हैं; लेकिन उसमें दो या अधिक अर्थ चिपके हों; जैसे–मंगन को देखि पट देत बार-बार है। इस काव्य पंक्ति में 'पट' के दो अर्थ हैं। 1. वस्त्र 2. किवाड़। यमक अलंकार वहाँ होता है, जब किसी काव्य-पंक्ति में एक ही शब्द दो या दो से अधिक बार आए और हर बार उसका अर्थ अलग हो, वहाँ यमक अलंकार होता है; जैसे–काली घटा का घमंड घटा। 1. घटा–काले बादल। 2. घटा–कम हो गया।

खंड-ग

(भाषा प्रयोग : रचनात्मक अभिव्यक्ति)

नोट–सामान्य परिचय एवं संकेत-बिंदुओं के आधार पर खंड 'ग' की सभी अभ्यास-कार्यपत्रिकाओं के उत्तर बच्चे स्वयं करें एवं अपने अध्यापक/अध्यापिका से मूल्यांकन कराएँ। पत्र-लेखन का अभ्यास करते समय औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप का ध्यान रखें।

अभ्यास प्रश्न-पत्र

अभ्यास प्रश्न-पत्र–1

खंड-'क'

1. 1. मनुष्य को इस संसार के सभी प्राणियों और पदार्थों में श्रेष्ठ बुद्धिमान और विचारवान होने के कारण माना गया है।
2. मनुष्य के विचार सच्चे, व्यावहारिक जीवन से संबंध रखने वाले, सादे और पवित्र होने चाहिए।
3. सादा जीवन और उच्च विचारों को मानव जीवन की सफलता की सीढ़ी माना गया है।
4. इतिहास, विकास 5. सादा जीवन, उच्च विचार

2. 1. वीर संकटों से घबराते नहीं हैं, वह मुश्किल रास्तों पर चलते हुए भी मुस्काते रहते हैं तथा असंभव को भी संभव बनाने की क्षमता रखते हैं।
2. वीर व्यक्ति कठिन रास्तों और असंभव कार्यों के बीच सदा मुस्काते और गाते रहते हैं।
3. अभिमान, उत्साह और शक्ति के बिना जीवन व्यर्थ है।
4. उत् 5. कर्मवीर

खंड-'ख'

3. छात्र स्वयं करें। **4.** छात्र स्वयं करें।

खंड-'ग'

5. 1. भारतीय संविधान के 343 अनुच्छेद में राजभाषा संबंधी प्रावधानों का उल्लेख है।
2. सामान्यत: भाषा की अभिव्यक्ति के दो रूप हैं।
3. भाषा का मूल रूप मौखिक है। 4. हिंदी भाषा की लिपि देवनागरी है।
5. भारतीय संविधान द्वारा 22 भाषाओं को मान्यता दी गई है। 6. वर्णों के दो भेद होते हैं।
7. (ख) अध:पतन 8. महा + ईश 9. आ-उपसर्ग 10. अव्ययीभाव
11. विद्यालय 12. कपट, मकान 13. वह रूमाल जेब से गिर गया 14. प्रांत-प्रांतिक
15. नकारात्मक 16. संदेह 17. अप्रत्याशित
18. मुसीबत में सहायक होना।
19. यहाँ बैठा नहीं जाता। 20. मोहन पुस्तक पढ़ता है। 21. मिश्रित वाक्य 22. वह पढ़कर सो गया।
23. संयुक्त वर्ण 24. अव्ययीभाव 25. क्रियाविशेषण
26. (क) भैंस का दूध ताकतवर होता है। 27. ऐतिहासिक 28. योगरूढ़
29. आई 30. मोहन जा रहा है।

अभ्यास-प्रश्न-पत्र–2

खंड-'क'

1. 1. 'परिवार नियोजन' का आशय है–परिवार में संतानोत्पत्ति को नियंत्रित करना।
2. शहरी लोगों में परिवार नियोजन के संबंध में जागरुकता आई है।
3. परिवार नियोजन कार्यक्रम को 1975 में पूरी दृढ़ता के साथ चलाया गया।
4. परिवार नियोजन का नाम बदलकर 'परिवार कल्याण' 1977 में कर दिया गया।
5. परिवार नियोजन

2. 1. नाना की मुँहबोली बहन 'छबीली' लक्ष्मीबाई थी।
2. लक्ष्मीबाई नाना साहब के साथ पढ़ती थी।
3. लक्ष्मीबाई की सहेलियाँ बरछी, ढाल, कृपाण और कटारी थीं।
4. झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई को 'मर्दानी' उनके वीरता और साहसपूर्ण कार्यों के कारण कहा गया है।
5. झाँसी की रानी

खंड-'ख'

3. विद्यार्थी स्वयं करें। **4.** विद्यार्थी स्वयं करें।

खंड-'ग'

5. 1. भाषा का क्षेत्र विस्तृत होता है और बोली का क्षेत्र सीमित होता है। 2. हिंदी 3. भाषा
4. स्पर्श व्यंजन 5. क् + ऋ + ष् + ण + अ
6. जब शब्द वाक्य में प्रयुक्त होते हैं, तो वे पद कहलाते हैं। 7. किनारा, बाण
8. नदी के किनारे धोबी कपड़े धो रहा है। 9. निर्यात
10. **अस्त्र**–जो हथियार फेंक कर चलाया जाए। **शस्त्र**–जो हथियार हाथ में लेकर चलाया जाए।
11. लहर–घोड़ा 12. घुमक्कड़ व्यक्ति का ज्ञान अधिक होता है। 13. व्यक्तिवाचक संज्ञा 14. वधू
15.साध्वी 16. बच्चे खेलते हैं। 17. करण कारक 18. कर्ता कारक 19. अपनी
20. दानी 21. दे रहा है। 22. भूतकाल 23. सदैव 24. के ऊपर
25.दीप+अवली 26. प्रश्नवाचक वाक्य 27. चंद्र के समान मुख–कर्मधारय समास
28.रमेश क्या कर रहा है? 29. ला–उपसर्ग 30. आई